कार्यालय नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

(हैरिटेज मुख्यालय भवन, बड़ी चौपड़, हवामहल के पीछे, जयपुर–01)

क्रमांक एफ–59( )एस.ई.–हैरिटेज/ननिज/2021/678 दिनांकः–13/08/2021

अति–महत्वपूर्ण

उपायुक्त (स्वास्थ्य/सतर्कता),
उपायुक्त (हवामहल–आमेर/किशनपोल जोन/आदर्श नगर जोन),
नगर निगम जयपुर हैरिटेज।
अधीक्षण अभियन्ता स्मार्ट सिटी जयपुर।

विषयः– दैनिक समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका में प्रकाशित शीर्षक समाचार "जिम्मेदार दफ्तर छोड़े, धरातल पर उतरें तो बदलें हालात" के सम्बन्ध में।

सन्दर्भः–कार्यालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर के पत्रांक एडीएम–3/338 दिनांक 11.08.2021 के क्रम में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत एवं सन्दर्भित पत्र के क्रम में निवेदन है कि श्रीमान् कलेक्टर महोदय से प्राप्त पत्र के साथ संलग्न दैनिक अखबार की कटिंग संलग्न कर नियमानुसार कार्यवाही कर वस्तुस्थिति रिपोर्ट से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

अतः उक्त पत्र के क्रम में निवदेन है कि पत्र के साथ दैनिक अखबार की कटिंग के सम्बन्ध में वस्तुस्थिति रिपोर्ट से अवगत करावें ताकि श्रीमान् कलक्टर महोदय को जवाब भिजवाया जा सके।

उक्त प्रकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देवें।

संलग्नः–उपरोक्तानुसार।

(डॉ अनिल घीया)
अधीक्षण अभियन्ता
नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

प्रतिलिपि :–
1. निजी सहायक, श्रीमान् आयुक्त महोदय, नगर निगम जयपुर हैरिटेज।
2. गार्ड फाईल।

अधीक्षण अभियन्ता
नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

Scanned with CamScanner

कार्यालय जिला कलक्टर एवम् जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर

www.jaipur.rajasthan.gov.in

क्रमांकःएडीएम-3/ 338 दिनांकः 11/8/21

आयुक्त
जयपुर नगर निगम
जयपुर हैरिटेज
जयपुर ।

विषय- दैनिक समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका में प्रकाशित शीर्षक समाचार ''जिम्मेदार दफ्तर छोड़ें, धरातल पर उतरें तो बदलें हालात'' के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उक्त प्रकरण माननीय मुख्य सचिव महोदय के कार्यालय से Lines Application पर अपलोड होकर प्राप्त हुआ है। इस पर आवश्यक कार्यवाही आपके कार्यालय द्वारा की जानी है।

कृपया प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही कर की गई कार्यवाही की रिपोर्ट/वस्तुस्थिति रिपोर्ट सर्वोच्च प्राथमिकता से इस कार्यालय को जरिये ई.मेल (adm3.col.jpr@rajasthan.gov.in) प्रेषित करावें जिससे प्रकरण में माननीय मुख्य सचिव कार्यालय को जवाब प्रेषित किया जा सके ।

संलग्न- उपरोक्तानुसार ।

भवदीय

कृते जिला कलक्टर
जयपुर

Scanned with CamScanner

जिम्मेदार दफ्तर छोड़ें, धरातल पर उतरें तो बदलें हालात

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

आपकी आंखों पर बेपरवाही की पट्टी है, यहां लापरवाह मिटा रहे विरासत

6 जुलाई, 19 को विश्व विरासत सूची में शामिल हुआ था परकोटा क्षेत्र

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राजधानी के परकोटा क्षेत्र को 6 जुलाई को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल हुए दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। इन दो वर्ष 19 दिन में विश्व स्तरीय सम्मान को बचाने के लिए जमीनी स्तर पर कुछ भी नहीं किया गया। स्थिति ये है कि हमारी विरासत लोहे के खंभों पर टिकी है। यदि जिम्मेदार विभागों ने दफ्तरों से निकलकर धरातल पर काम करना शुरू नहीं किया तो यूके के लिवरपूल की तरह हमारा सम्मान जाने में देर नहीं लगेगी। 21 जुलाई को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी ने लिवरपूल को विश्व विरासत सूची से बाहर कर दिया है। दरअसल 2022 में परकोटा के संरक्षण का प्लान यूनेस्को में पेश करना है। इसमें बताना होगा कि 300 वर्ष पुराने शहर को संवारने के लिए क्या काम किए गए हैं और आगे कैसे बचाकर रखेंगे।

विश्व विरासत सूची में शामिल होने के बाद निगम ने ड्रोन सर्वे शुरू कराया। दावा था कि अवैध निर्माणों पर कार्रवाई होगी, फाइलें डेढ़ वर्ष से ठंडे बस्ते में हैं। अधिकारी दबी जुबान में स्वीकारते हैं कि राजनीतिक दखल से कार्रवाई नहीं कर पा रहे। 1700 नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन जवाब 25 ने ही दिया।

संवारने का काम अधर में: परकोटे को संवारने का काम शुरू ही नहीं हो पा रहा है। निगम के खाते में इसके लिए बजट भी है। 15.9 किमी के परकोटा में से 9.5 किमी का परकोटा अब अस्तित्व में ही नहीं है। इसके बाद भी निगम के अधिकारी हाथ पर हाथ रखे बैठे हैं।

राहगीर जौहरी बाजार के बरामदों में जान जोखिम में लेकर गुजरने को मजबूर हैं।

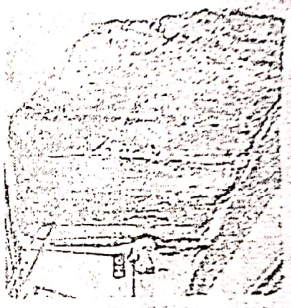

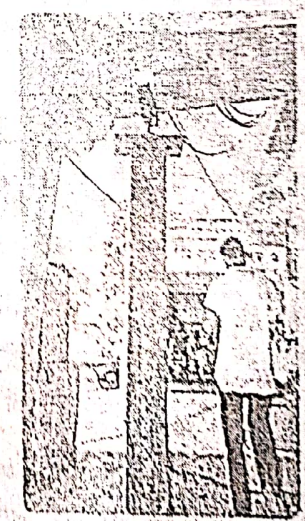

1. वाहनों का दबाव: परकोटा क्षेत्र में वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। सैलानी पैदल सुरक्षित घूम सकें इसके लिए वाहनों का दबाव कम करना होगा। रामनिवास बाग में पार्किंग विस्तार का काम शुरू हुआ है। चौगान स्टेडियम में भूमिगत पार्किंग बनकर तैयार है। ठोस कार्ययोजना न होने से वो पार्किंग खाली है।

2. अतिक्रमण और नए निर्माण: राज्य सरकार परकोटा को नो कंस्ट्रक्शन जोन घोषित कर चुकी है। नए बिल्डिंग बाइलॉज भी लागू कर दिए गए। इसके बाद भी न तो नया निर्माण रुका और न ही नए बिल्डिंग बाइलॉज़ से मरम्मत और निर्माण किए जा रहे हैं। निगम अधिकारियों की मिलीभगत से सैकड़ों नए निर्माण परकोटा क्षेत्र में चल रहे हैं।

3. सफाई व्यवस्था: सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के नाम पर भी कोई ठोस कार्ययोजना निगम की ओर से नहीं बनाई गई।

जौहरी बाजार में रविवार को बरामदे की छत का प्लास्टर गिर पड़ा।

प्लास्टर उखड़ने के बाद बरामदों के गिरने की आशंका है।

राजस्थान हैरिटेज कमेटी

इसकी नियमित रूप से बैठक ही नहीं हो पाती। सात अप्रेल को बैठक में जो निर्णय हुए, उनमें से अब तक किसी एक पर भी अमल होना शुरू नहीं हो पाया है। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने चारदीवारी की प्रभावी निगरानी के निर्देश ?भी दिए थे।

विशेषताओं में नुकसान

यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी ने ताजा सत्र में लिवरपूल को विश्व विरासत सूची से हटाने का निर्णय लिया। समिति ने माना है कि ये निर्माण साइट की प्रामाणिकता और अखंडता के लिए हानिकारक हैं। विशेषताओं में अपरिवर्तनीय नुकसान किया गया है। वर्ष 2004 में लिवरपूल-मैरीटाइम मर्केंटाइल सिटी को विश्व विरासत सूची में शामिल किया था। 18वीं और 19वीं शताब्दी में दुनिया के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में से लिवरपूल एक हुआ करता था। वर्ष 2012 में लिवरपूल के शहरी इलाके के निकट भवनों व इमारतों के निर्माण संबंधी गतिविधियों के बारे में चिंता व्यक्त की गई थी। इससे पहले ड्रेसडेन (जर्मनी) की एल्बे वैली और अरेबियन ओरिक्स सेंक्चुरी (ओमान) अपना विश्व विरासत का दर्जा खो चुके हैं।

Scanned with CamScanner